ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of Media Bite **23 Sep, 2020**

Shri Ghulam Nabi Azad, Leader of Opposition, Rajya Sabha; Shri Ahmed Patel, MP; Shri Jairam Ramesh, MP and other senior opposition leaders addressed the media outside the Rashtrapati Bhavan, today.

श्री गुलाम नबी आजाद ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि परसों तकरीबन 18 राजनीतिक दलों के नेता इकट्ठे हो गए थे और ये निर्णय लिया गया था कि माननीय राष्ट्रपति जी को यह अवगत कराया जाए, उनके सामने ये बात लाई जाए कि किस तरह से राज्यसभा में किसानों से संबंधित बिल को पास किया गया और जो किसान हिंदुस्तान की रीढ़ की हड्डी हैं, किसान, जो देश का अन्नदाता है, आज अगर देशभर में गरीब लोगों को जो अनाज बांटा जाता है, तो ये सब सिर्फ हमारे देश के किसानों की वजह से है, क्योंकि वो खून-पसीना एक करके अनाज पैदा करते हैं फिर उसको हम बांटते हैं, तो इसलिए किसानों से संबंधित जो बिल था, ये सरकार को सब लोगों से बातचीत करके लाना था, सब राजनीतिक दलों से बात करनी चाहिए थी और किसानों के जो लीडर्स हैं, नॉर्थ- साउथ-ईस्ट- वेस्ट- सेंटर इंडिया, सबसे बात करनी चाहिए थी और एक ऐसा कानून लाना चाहिए था, जिससे किसान खुश होते और इनका भी समाधान होता। लेकिन दुर्भाग्य से सरकार ने न तो इस बिल को स्टैंडिंग कमेटी को भेजा और न ही सेलेक्ट कमेटी को भेजा। अगर भेजा गया होता तो ये एक बहुत अच्छा बिल बन सकता था और किसानों को फायदा होता।

जब राज्यसभा में आया, मैं लोकसभा की बात नहीं करूँगा, तो हमारे सभी साथियों ने, अलग-अलग पार्टियों ने अलग-अलग रेजोल्यूश दिए थे, जिन्होंने इस ऑर्डिनेंस के खिलाफ रेजोल्यूशन दिया था कि ये ऑर्डिनेंस नहीं होना चाहिए था, जिस पर वोटिंग होती। हमारे दो साथियों ने मोशन दिया था कि इसको सेलेक्ट कमेटी को भेजा जाए, मेरे ख्याल में श्री डरेक ओ ब्रायन और हमारे शिवा जी ने दिया था, इन्होंने मोशन दिया था इसे सेलेक्ट करने के लिए और हम सब सहमत थे उसको सेलेक्ट करने के लिए जितनी भी 18 पार्टियाँ हैं, ये नहीं हुआ, फिर हम लोग बैठे और 15 लोगों के ही सिग्नेचर हुए, 15 पार्टियों के ही सिग्नेचर हो पाए क्योंकि जब हमने ये पत्र दिया तो रात को देर हो गई थी, तीन पार्टियों के हम सिग्नेचर नहीं करा पाए और राष्ट्रपति जी को हमने ये पत्र लिखा और कहा कि हम अपॉइंटमेंट भी मांगते हैं औऱ हम आपको एडवांस में ये कॉपी भेज देते हैं कि राज्यसभा में जिस तरह से ये कानून पास किया और वैसे ही कानून पास किए जाते हैं, पिछले कई सालों से, जबसे नई सरकार आई है, ये स्टैंडिंग कमेटी और सेलेक्ट कमेटी को बिल नहीं जाते हैं, लेकिन इसमें विशेष रुप से जब एक बजे के बाद हम लेना चाहते थे कंसेंसस, वो कंसेंसस तो हमारे फेवर में था, एक तरफ 16-17 पार्टियाँ थी और एक तरफ दो पार्टियाँ थी बीजेपी की और उस कंसेंसस को नहीं माना गया, जिसके चलते ये तमाम हंगामा हुआ, इसलिए हंगामे के लिए अपोजीशन जिम्मेदार नहीं है, हंगामे के लिए सरकार जिम्मेदार है, कि जिनको कहना चाहिए था कि आज मत चलाओ, हमारे पास बहुमत नहीं है, कंसेंसस उन पर बनता है, कल चलाने के लिए और फिर उसके बाद दुर्भाग्य से हमारे

डिप्टी चेयरमैन साहब, जिनके खिलाफ हमने वोट ऑफ नो कॉन्फिडेंस लिया, उन्होंने दबादब बिल को पारित कराने का जो प्रयास किया और किया, हमें किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था, जो खड़े थे, उस सदन में जो लोग बैठे थे लोकसभा में उनको कुछ मालूम ही नहीं हो रहा था क्योंकि आवाज तो राज्यसभा में भी सुनाई नहीं दे रही थी, तो जो बिल पास हुआ, रेजोल्यूशन मूव करने की किसी को इजाज़त नहीं मिली, उस पर वोटिंग नहीं हुई. डिवीजन के लिए हमारे साथी चिल्ला रहे थे कि डिवीजन करो, मोशन पर वोटिंग करो और डिवीजन करो, न वोटिंग हुई, न वॉइस वोट हुई, न डिवीजन हुई, न लॉबीस क्लियर हुईं, कोई डिवीजन पर बात नहीं हुई।

तो जिस तरह से तमाम हदें हिंदुस्तान के कॉन्स्टीट्यूशन की, संविधान की, रुल्स की, रेगूलेशन्स की, प्रोसीजर्स की, धज्जियाँ उडाई गईं, हिंदुस्तान के सबसे बड़ा जो लोकतंत्र का मंदिर है, उसी मे संविधान की धज्जियाँ उड़ाई गईं, इसलिए ये हमने रेप्रिजेंटेशन दी थी, सब पार्टियों ने मिलकर और राष्ट्रपति जी को कहा है क्योंकि ये सही तरीके से बिल पास नहीं हुआ है, ये अनकॉस्टीट्यूशनल है, माननीय राष्ट्रपति जी, जो भारत के संविधान के रखवाले हैं, वो इस बिल को वापस भेज दें ताकि उस पर दोबारा चर्चा हो जाए और थ्रू प्रॉपर रुट में आ जाए और उस पर चर्चा के साथ-साथ जो अमेंडमेंट्स है, वो अमेंडमेंट्स भी लाए जाएं, रेजोल्यूशन पर दोबारा वोटिंग हो जाए, तो तब जाकर जब आएगा, तब इसको अपनी स्वीकृति दें, वरना तब तक आप इसको अपनी स्वीकृति न दें, इसको आप वापस भेजें।

एक प्रश्न पर कि क्या आपको राष्ट्रपति जी की तरफ से किसी प्रकार का आश्वासन मिला है, श्री आजाद ने कहा कि हमें राष्ट्रपति जी ने कहा कि ठीक है, मुझे जो बोलना था, यहाँ पर, वो सब सुनाया उनको, तो उन्होंने कहा ठीक है, मैं उस पर गौर करूँगा और राष्ट्रपति जी जितना कहते हैं, वो सही कहते हैं।

Sd/-
(Dr. Vineet Punia)
Secretary
Communication Deptt,
AICC